MPSE-007

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान) (MPS)

सत्रीय कार्य
(एम ए द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम)
जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम. ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक एवं संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न विद्यमान हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQ) निबंधात्मक प्रकार के उत्तरों के लेखन हेतु बने हैं, जिनमें परिचय तथा निष्कर्ष समाहित होने चाहिए। ये प्रश्न किसी शीर्षक के बारे में आपकी व्यवस्थित समझ, महत्तवपूर्ण एवं प्रासंगिक तथा सरल तरीके से अपने ज्ञान की व्याख्या क्षमता के परीक्षण के उद्देश्य से बनाए गए हैं। संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न (SCQ) पहले आपसे तर्कों एवं व्याख्याओं के संदर्भ में किसी शीर्षक के विश्लेषण तथा फिर संक्षिप्तता में उत्तर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। ये प्रश्न अवधारणाओं, प्रक्रियाओं संबंधी आपकी समझ तथा उनके आलोचनात्मक विश्लेषण की आपकी क्षमता के परीक्षण के लिए बनाए गए हैं।

अपना सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह महत्तवपूर्ण एवं आवश्यक है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर आप अपने शब्दों में हीं दें। आपके उत्तर के शब्दों की सीमा किसी भी श्रेणी के लिए दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होनी चाहिए। ध्यान रहे, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लेखनकार्य आपकी लेखन शैली को अधिक बेहतर बनाएगा तथा आपको वार्षिक परीक्षा हेतु तैयार करेगा।

इस लघु पुस्तिका के अंतर्गत एम. ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं। आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को करना है जिनमें आपका नामांकन हुआ है तथा बाकी को छोड़ दीजिए।

जमा करनाः

आपको वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2025 सत्र के लिए	**31 मार्च, 2026**	**अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।**
जनवरी, 2026 सत्र के लिए	**30 सितम्बर, 2026**	

अध्ययन केन्द्र पर जमा किए गए सत्रीय कार्य की प्राप्ति रसीद लेना न भूलें तथा उसे अपने पास सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो पूर्णतः तैयार सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी प्रति अपने पास रख लें। सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद अध्ययन केन्द्र द्वारा उसे आपको वापस कर दिया जाएगा। कृपया इसके लिए आप अपनी ओर से भी उन पर जोर डालें। अध्ययन केन्द्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद दिए गए अंकों को नोट करने के बाद उसका रिकार्ड आगे इग्नू, नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन विभाग [Student Evaluation Division (SED)] के पास भेज देंगें।

सत्रीय कार्य करने के लिए कुछ दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगा।

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिनपर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए कुछ बिन्दु बनाए और उनको तर्क के आधार पर पुनः व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा तैयार करें जिससे आप कुछ बिन्दुओं को चुन सकते हैं और उनको विश्लेषित कर सकते हैं। प्रश्न की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर उचित ध्यान दें:

   यह निश्चित करें कि:

   क) उत्तर तर्क–आधारित और सुसंगत है।

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है।

   ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली के अनुसार प्रस्तुत सही है।

3) **प्रस्तुतिः** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हैं तो जमा कराने के लिए उसका अंतिम रूपांतरण लिख सकते हैं। **यह आवश्यक है कि सभी** सत्रीय कार्य आपकी अपनी लिखाई में सफाई से लिखे हों। यदि आप चाहते हैं तो मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कर सकते हैं। यह निश्चित करें कि उत्तर निश्चित शब्द सीमा के अंतर्गत है।

शुभकामनाओं के साथ,

भारत में सामाजिक आंदोलन और राजनीति (MPSE-007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः MPSE-007
सत्रीय कार्य कोडः MPSE-007/ASST/TMA/2025-26
अधिकतम अंकः 100

निर्देशः नीचे दिए गए दो खंडों (खंड–1 और खंड–2) में से कम से कम दो प्रश्न प्रत्येक खंड से चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंका का है।

खंड-I

1) सामाजिक आंदोलनों की परिभाषा दीजिए और लोकतांत्रिक राजनीति में उनके महत्व को समझाइए। भारत से उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

2) औपनिवेशिक और उत्तर–औपनिवेशिक भारत में किसान आंदोलनों के विकास और प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

3) सामाजिक आंदोलनों के अध्ययन हेतु 'संसाधन संचयन दृष्टिकोण' (Resource Mobilisation Approach) और 'सापेक्ष वंचना दृष्टिकोण' (Relative Deprivation Approach) के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

4) भारतीय राजनीति में दलित और पिछड़ा वर्ग आंदोलनों की प्रकृति और उनके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

5) निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

   a) नए सामाजिक आंदोलनों (New Social Movements) और उनके विशेषताएँ

   b) भारत में पहचान आधारित राजनीति और लामबंदी (mobilisation)

खंड-II

6) भारत में महिला आंदोलनों का क्रमिक विकास कैसे हुआ है? उनके द्वारा कानूनों और नीतियों पर डाले गए प्रभावों की चर्चा कीजिए।

7) पर्यावरण आंदोलनों जैसे चिपको आंदोलन और नर्मदा बचाओं आंदोलन के उद्देश्यों और उपलब्धियों का विश्लेषण कीजिए।

8) भारत में आदिवासी आंदोलनों की भूमिका को स्वायत्तता और संसाधन अधिकारों की राजनीति के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

9) समकालीन भारत में वैश्वीकरण (Globalisation) और किसान आंदोलनों के बीच संबंधों पर चर्चा कीजिए।

10) निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

   a) ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC)

   b) सामाजिक लामबंदी (Social Mobilisation) में नागरिक समाज की भूमिका